

सेवा में

D.M.C

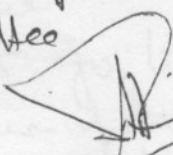
Secretary

महोदय,

मैं नरेन्द्र आठिया सुपुत्र श्री. हंसराज आठिया, निवासी 51 नं. 49-50 गौधी गिडर, मिकट मुखर्जी नगर, दिल्ली-9 आपस अपील करता हूँ कि मेरी बात की सुनवाई की जाये।

26 फरवरी 2003 को सुबह 8 बजे मेरा स्क्विडट हो गया था जिसमें मेरी बाई टांग की हड्डी टूट गई थी। उसके इलाज के लिए मुझे परनामी अस्पताल बाल मार बाग में अर्द्ध किया गया। डा. रम-रल परनामी ने मेरा 15 दिन तक इलाज किया और मेरी टांग को रॉड डाली गयी तथा 6 सप्ताह का फ्लस्टर चढ़ाया गया। इसके लिए मेने रुका भारी रकम चुकाई पर फ्लस्टर खोलवाने के बाद भी मेरे पैर में निरन्तर दर्द होता रहा। मुझे डॉक्टर ने जैसे कहा मैंने वैसा ही किया लेकिन मेरे पैर में कोई आराम नहीं आया और मेरी हड्डी मोटी और टूटी हो गई है। जब भी डा. साहब के पास चेकअप के लिए जाता 500 से 700 रु तक देकर आ जाता।

Mr. P. K. D. Committee

  
24/1/04

Office of Delhi Medical Council  
 Receipt No. 2435  
 Date 22/6/04

मैं एक प्राइवेट मुलाजिम  
 और मेरी आर्थिक दशा भी ठीक  
 रही है। पिछले एक साल से घर में कई  
 चीजों के कारण मेरा काम भी छूट गया  
 है। मेरी पत्नी एक प्राइवेट स्कूल में  
 ₹500 रु मासिक आम पर काम करती  
 है।

अभी जब फेब्रुअरी में मेरी दिवायत  
 या तो डाक्टर साहब बोले थे कि मेरी  
 हड्डी मोटी हो गई है। हर बार 500  
 से 700 रुपये चिकित्सा के लगाने पर  
 भी मेरी तकलीफ बेसी की बेसी हो रही है।  
 अगस्त 2004 से मुझे तकलीफ ज्यादा  
 हो गई है। चलने में भी बहुत  
 तकलीफ है। डा. रम. रत्न. पसाभी ने  
 मुझे दोबारा आग्रहण करवाया कि  
 मेरे खर्चों पर जब मैंने कहा  
 कि मैं खर्च नहीं उठा  
 सकता तो उन्होंने कहा कि सरकारी  
 अस्पताल में चल जाओ।  
 मैं आपसे अपील करता हूँ  
 कि डा. की लापरवाही मेरी आर्थिक  
 दशा और मेरी तकलीफ को  
 ध्यान में रखते हुए बिना किसी  
 खर्च के मेरा दोबारा आग्रहण  
 करवाया जाय।

भवदीय  
 नरेश भारिया  
 15-6-04

डा. रम. रत्न. पसाभी  
 AE-190 Shalimar  
 Bagh, Near Prabhu  
 Dayal Public School, Delhi-88  
 Phones-27481122, 27481123

He should be  
 referred to go to  
 Govt institution of the concerned  
 Mr. Nish.